Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. जुलाई, 1944 में कौन-सा सम्मेलन आयोजित किया गया?

(अ) सार्क वित्तीय सम्मेलन
(ब) यूनाइटिड किंगडम व्यापारिक सम्मेलन
(स) संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक एवं वित्तीय सम्मेलन
(द) साफ्या सम्मेलन

2. पुर्तगाली और स्पेनिश सेनाओं की विजय का सिलसिला शुरू हो चुका था—

(अ) सत्रहवीं शताब्दी के मध्य तक
(ब) सोलहवीं शताब्दी के मध्य तक
(स) पंद्रहवीं शताब्दी के मध्य तक
(द) चौहदवीं शताब्दी के मध्य तक

3. यूरोपीय उपनिवेशकारों के पीछे-पीछे भारतीय व्यापारी और महाजन भी जा पहुँचे—

(अ) अफ्रीका
(ब) भारत
(स) चीन
(द) ब्रिटेन

4. किस देश पर 1929 में हुई विश्वव्यापी आर्थिक मंदी का सबसे बुरा प्रभाव पड़ा?

(अ) अमेरिका
(ब) जापान
(स) ब्रिटेन
(द) फ्रांस

5. आर्थिक महामंदी का प्रारम्भ किस वर्ष हुआ —

(अ) 1934 ई० में
(ब) 1929 ई० में
(स) 1919 ई० में
(द) 1924 ई० में

6. लगभग 500 साल पहले निम्नलिखित में से किस फसल के बारे में हमारे पूर्वजों को ज्ञान नहीं थी?

(अ) गेहूँ
(ब) चावल
(स) कपास
(द) आलू

7. 19वीं सदी में प्रचलित अनुबंधित व्यवस्था को क्या नाम दिया गया था?

(अ) गिरमिटिया व्यवस्था
(ब) कुली व्यवस्था
(स) नई दास प्रथा
(द) बेगार व्यवस्था

8. ब्रिटेन में कॉर्न कानून समाप्त करने का क्या कारण था—

(अ) कॉर्न आयात पर नियन्त्रण
(ब) उद्योगपतियों एवं शहरी लोगों का विरोध
(स) कृषि उत्पादों में अधिकता
(द) जनसंख्या में वृद्धि

9. युद्ध के बाद, ब्रिटेन ने काफी कर्जे लिए —

(अ) रूस से
(ब) जर्मनी से
(स) चीन तथा भारत से
(द) अमेरिका से

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. महामन्दी का सबसे बुरा असर पड़ा—

(अ) इसमें से किसी पर नहीं
(ब) कृषि क्षेत्रक पर
(स) तकनीक पर
(द) परिवहन पर

रिक्त स्थान :

11. 1928 से 1934 के बीच भारत में गेहूँ की कीमत _____ प्रतिशत गिर गई थी।

12. 1890 में रिंडरपेस्ट बीमारी _____ में फैल गई थी।

सत्य / असत्य

13. महात्मा गाँधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत 1931 में की जब महामंदी अपनी चरम सीमा पर थी।

14. अनुबंधित श्रमिक व्यवस्था को 1921 में समाप्त किया गया।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. सिल्क मार्ग का आरंभ कहाँ से होता था?

16. नूडल्स का जन्म कहाँ हुआ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. व्याख्या करते हुए संक्षिप्त टिप्पणी लिखें —
भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामंदी का प्रभाव।

18. कॉर्न लॉ के निरस्त होने के बाद ब्रिटेन की खाद्य समस्या का हल किस प्रकार हुआ? स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. व्याख्या करते हुए संक्षिप्त टिप्पणी लिखें: अफ्रीका में रिंडरपेस्ट का आना।

20. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के समक्ष क्या समस्याएँ थीं? इसे ब्रेटन वुड्स सम्मेलन द्वारा किस प्रकार सुलझाया गया।

HOTS

21. "औद्योगीकरण और उपनिवेशवाद ने वैश्विक विश्व (Global World) के निर्माण में कैसे योगदान दिया? क्या इन प्रक्रियाओं ने केवल आर्थिक बदलाव लाए, या सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव भी डाले? तर्क सहित उत्तर दीजिए।"

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (स) जुलाई, 1944 में संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक एवं वित्तीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

2. (ब) सोलहवीं सदी के मध्य तक आते-आते पुर्तगाली और स्पेनिश सेनाओं की विजय का सिलसिला शुरू हो चुका था। उन्होंने अमेरिका को उपनिवेश बनाना शुरू कर दिया था।

3. (अ) अफ्रीका में यूरोपीय उपनिवेशकारों के पीछे-पीछे भारतीय व्यापारी और महाजन भी जा पहुँचे। हैदराबादी सिंधी व्यापारी तो यूरोपीय उपनिवेशों से भी आगे तक जा निकले। 1860 के दशक से उन्होंने दुनिया भर के बंदरगाहों पर अपने बड़े-बड़े एम्पोरियल खोल दिए।

4. (अ) अमेरिका पर 1929 में हुई विश्वव्यापी आर्थिक मंदी का सबसे बुरा प्रभाव पड़ा।

5. (ब) 1929 ई० में

6. (द) हमारे पूर्वजों को 500 साल पूर्व आलू की फसल का ज्ञान नहीं था।

7. (स) 19वीं सदी में प्रचलित अनुबंधित व्यवस्था को नई दास प्रथा के नाम से जाना गया था।

8. (द) जनसंख्या में वृद्धि।

9. (द) युद्ध के बाद ब्रिटेन ने अमेरिका से काफी कर्ज लिए। जिसके परिणामस्वरूप युद्ध समाप्त होने तक ब्रिटेन भारी विदेशी कर्जों में दब चुका था।

10. (ब) कृषि क्षेत्रक पर

11. **रिक्त स्थान :** 50%

12. **रिक्त स्थान :** अफ्रीका में

13. **सत्य / असत्य :** सत्य

14. **सत्य / असत्य :** सत्य

15. वेस्ट इंडीज के क्रिकेट खिलाड़ी शिवनरैन चंद्रपॉल और राम नरेश सरवन के नाम हम भारतीयों जैसे थे। क्योंकि वे भारत से गए अनुबंधित मजदूरों के वंशज है।

16. हमारे खाद्य पदार्थ दूर देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के कई उदाहरण पेश करते हैं। दुनिया के विभिन्न भागों में मिलने वाले झटपट तैयार होने वाले "नूडल्स" जो चीन से पश्चिम में पहुँचे और वहाँ उन्ही से स्पेधैत्ती (spaghetti) का जन्म हुआ।

17.

i. 1928-34 के देश का आयात-निर्यात घट कर आधा रह गया।

ii. भारत में गेहूँ की कीमत 50% और पटसन की कीमत 60% से भी अधिक घट गई।

iii. किसान और अधिक ऋणी हो गए। खर्चे पूरे करने के चक्कर में उनकी बचत खत्म होती गई।

iv. 1931 में मंदी अपने चरम सीमा पर थी भारतीय ग्रामीणों में जब असंतोष फैल रहा था तो उसी समय गांधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ कर दिया।

v. इसके बावजूद भी निश्चित आय वाले शहरी लोगों की हालत ठीक रही। जैसे- शहर में रहने वाले जमींदार जिन्हे अपनी जमीन पर बंधा-बंधाया भाड़ा मिलता था तथा मध्यवर्गीय वेतनभोगी कर्मचारी।

18. i. 'कॉर्न लॉ' के निरस्त होने के बाद ब्रिटेन की खाद्य समस्या लगभग हल हो गयी। अब कम कीमत पर लोगों के लिए खाद्य-पदार्थों का आयात करना सम्भव हो गया।

ii. आयातित खाद्य-पदार्थों की कीमत ब्रिटेन में उत्पादित खाद्य-पदार्थों से भी कम थी।

iii. खाद्य-पदार्थों की कीमत में गिरावट आने से ब्रिटेन में उपभोग का स्तर बढ़ गया। औद्योगिक प्रगति के चलते ब्रिटेन के लोगों की आय में वृद्धि हुई जिससे खाद्य पदार्थों का पहले से अधिक आयात होने लगा।

19. i. अफ्रीका में पशुओं की बीमारी 'रिंडरपेस्ट' का सबसे पहले 1880 के दशक के बाद के वर्षों में पता चला जब पूर्वी अफ्रीका में एरिट्रिया पर हमला कर रहे इटली के सैनिकों का पेट भरने के लिए एशियाई देशों से पशु लाए जाते थे।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

यह बीमारी ब्रिटिश अधिपत्य वाले एशियाई देशों से आने वाले पशुओं के द्वारा यहाँ आई थी। अर्थात मवेशियों में प्लेग की तरह फैलने वाली इस बीमारी से लोगों की आजीविका और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा। हमलों और विजयों के इस युग में दुर्घटनावश फैल गई मवेशियों की बीमारी ने हज़ारों लोगों का जीवन व भाग्य बदलकर रख दिया और दुनिया के साथ उनके संबंधों को नई शक्क में ढाल दिया।

ii. यह बीमारी पूर्वी अफ्रीका से पश्चिमी अफ्रीका की तरह जगल की आग की तरह बढ़ने लगी और 1892 में अटलांटिक तक जा पहुँची। पाँच साल बाद यह केपटाऊन तक भी पहुँच गई।

iii. रिंडरपेस्ट नामक इस बीमारी ने अपनी चपेट में आने वाले 90% पशुओं को मार दिया।

iv. पशुओं के मर जाने पर अफ्रीकियों की रोजी-रोटी के साधन समाप्त हो गए।

v. बागान मालिकों, खान मालिकों तथा औपनिवेशिक सरकारों ने अपनी सत्ता को और शक्तिशाली बनाने तथा अफ्रीकियों को श्रम बाजार से धकेलने के लिए बचे-खुचे पशुओं को भी अपने अधिकार में ले लिया।

vi. बचे हुए पशु संसाधनों पर अपना अधिकार हो जाने से यूरोपीय उपनिवेशकारों को पूरे अफ्रीका पर अपना अधिकार कर लेने का मौका मिल गया।

20. प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध के बीच की अवधि- प्रथम विश्वयुद्ध समाप्त होने के केवल दो दशकों बाद ही द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारंभ हो गया। इस युद्ध के बाद अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के सामने दो बड़ी चुनौतियाँ थीं: भारी सामाजिक तबाही और गंभीर आर्थिक नुकसान।

इस प्रकार की परिस्थितियों में पुनर्निर्माण का कार्य अत्यधिक चुनौतीपूर्ण हो गया। ब्रेटन वुड्स सम्मेलन- युद्ध के बाद की अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक दुनिया में आर्थिक स्थिरता और पूर्ण रोजगार बनाए रखना था। इसके तहत जुलाई 1944 में अमेरिका के न्यू हैम्पशायर के ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक और वित्तीय सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में सदस्य देशों के बीच विदेश व्यापार में लाभ और हानि से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की स्थापना की गई। युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए धन की व्यवस्था हेतु अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (IBRD), जिसे आज विश्व बैंक कहा जाता है, का गठन किया गया। इस कारण से IMF और विश्व बैंक को ब्रेटन वुड्स ट्विन्स कहा जाता है। यही आर्थिक व्यवस्था ब्रेटन वुड्स व्यवस्था के नाम से जानी गई।

ब्रेटन वुड्स व्यवस्था की विशेषताएँ- यह व्यवस्था निश्चित विनिमय दरों पर आधारित थी। राष्ट्रीय मुद्राएँ एक तय विनिमय दर में बँधी हुई थीं, जैसे एक डॉलर के बदले निश्चित संख्या में रुपए मिलते थे। डॉलर का मूल्य सोने से भी जुड़ा हुआ था, जिसमें एक डॉलर का मूल्य 35 औंस सोने के बराबर था।

21. औद्योगीकरण के कारण बाजारों और कच्चे माल की खोज बढ़ी, जिससे उपनिवेशवाद को बल मिला।नए बंदरगाह, रेलवे और परिवहन साधनों के विकास से वैश्विक व्यापार का विस्तार हुआ।औपनिवेशिक देशों के संसाधनों और श्रमिकों का शोषण हुआ, जिससे वैश्विक असमानता बढ़ी।इन प्रक्रियाओं के सामाजिक प्रभावों में संस्कृतियों का टकराव, मजबूर पलायन, और स्थानीय परंपराओं का क्षरण शामिल था।वैश्विक स्तर पर एक आर्थिक और सांस्कृतिक जुड़ाव बना, लेकिन यह समान और न्यायपूर्ण नहीं था।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App